मनसा सेवा की शक्तिशाली विधि

परमधाम में बैठकर ज्वालामुखी योग करने के लिए सात महत्वपूर्ण बिन्दू और विज़न

शिवभगवानुवाच :- बेहद की वृत्ति से मनोबल द्वारा विश्व के गोले के ऊपर ऊंचा स्थित हो, बाप के साथ परमधाम की स्थिति में स्थित हो थोड़ा समय भी यह सेवा की तो आापको उसकी प्रालब्ध कई गुणा अधिक मिल जायेगी।

कन्ट्रोल ऑफ माइंड की स्टेज / ऑर्डर माना आर्डर :- देह भान भूलें, आत्मिक स्थिति में स्थित हो जाएं, सूक्ष्मवतन में ब्रह्मा बाबा से मिलन मनाएं, बाबा से दृष्टि लेना, बाबा से रूहरूहान करना, सूक्ष्मवतन में सूक्ष्म देह को छोड़ दिया अब परमधाम पहुंचे तो अब वहां क्या करना है... ।

1. परमधाम के जो-जो नाम है उन नामों के स्मृतिस्वरूप होकर योग करना है.... मैं आत्मा शान्तिधाम में हूं..., चारों ओर शान्ति ही शान्ति है...। मैं आत्मा निर्वाणधाम में हूं, जहां कोई वाणी नहीं, गीत नहीं, संगीत नहीं, कोई शब्द नहीं, मैं आत्मा मुक्तिधाम में हूं..., मैं आत्मा संपूर्ण रूप से मुक्त हूं...। मैं आत्मा सोलवर्ल्ड में हूं ..., चारों ओर जगमगाती हुई आत्माएं ही आत्माएं हैं...। मैं आत्मा निराकारी दुनिया में हूं..., मैं आत्मा निर्विकारी दुनिया में हूं..., मैं आत्मा साईलेन्स वर्ल्ड में हूं..., मैं आत्मा शक्तिधाम में हूं... जहां सर्वोच्च शक्तिशाली वायुमण्डल है....परमधाम के नामों को याद करते हुए योग करना.....।

2. अपने अनादि संस्कारों में टिक जाना है... मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा हूं... मैं पवित्र स्वरूप आत्मा हूं .... मैं सुख स्वरूप आत्मा हूं ....मैं शान्त स्वरूप आत्मा हूं..... मैं शक्ति स्वरूप आत्मा हूं..... मैं प्रेम स्वरूप आत्मा हूं... - मैं आनन्द स्वरूप आत्मा हूं.....।

3. शिव बाबा की ज्ञान की किरणें निरन्तर मेरे में समाती जा रही हैं, वो पवित्रता का सागर है..., उसकी संपूर्ण पवित्रता मेरे में समाती जा रही है, वो प्रेम का सागर है मैं उस प्रेम के सागर में डूबती जा रही हूं, वो सागर अथाह है..., मैं उस सागर की गहराई में जा रही हूं....।

4. परमधाम में ज्योति बिंदू से सर्व सम्बन्धों की अनुभूति करना....,महाज्योति शिवबाबा मेरे सामने है..., वो मां भी है, पिता भी है, गुरु भी है, टीचर भी है, सखा भी है, साजन भी है, भाई भी है, बहन भी है, गाइड भी है, लिबरेटर भी है....।

5. कम्बाइंड स्वरूप की अनुभूति - मैं और मेरा बाबा हम दोनों एक हो गए हैं..... मुझ आत्मा के सारे संकल्प बाबा में विलीन हो गए हैं.....। हम दोनों एक हो गए हैं...।

6. शिव बाबा मेरे ऊपर मैं बीच में और धरती नीचे, उसकी सारी शक्तियां मेरे द्वारा सारे विश्व में निरन्तर बह रही हैं....। समूचे विश्व में परमात्म शक्तियों की बरसात हो रही है...।

7. बाबा समान सम्पूर्ण साक्षी होकर सारे सृष्टि चक्कर को देखना, मैं मास्टर भगवान समस्त विश्व को साक्षी होकर देख रहा हूं, हर आत्मा के पार्ट को साक्षी होकर देख रहा हूं, चारों युगों को साक्षी होकर देख रहा हूं, अपने 84 जन्मों को साक्षी होकर देखना.....।